The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS
IAS ACADEMY
PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IDEAL FOR
For UPSC/BPSC & For other Exams

Hindi

NEWS CREDIT
PIB/ PTI/ News On Air/ The Hindu/ IANS/ Business Standard/ Times Of India/ Deccan Herald/ Hindustan Times/ BBC News/ Aljazeera/ Mirror.Uk/ Times Now/ Economic Times/ Financial Express/ Indian Express...

NEWS COVERED
Business News, financial news, economy news, company news, politics news, India news, breaking news, Indian economy, International News, Sports News, and many more topics...

Friday, July 10, 2026

+91 8434931877 www.achieversiaspatna.co.in achieversiaspatna@gmail.com

दिन की प्रमुख घटनाएं

- इसरो ने गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए एकीकृत मुख्य पैराशूट एयर ड्रॉप परीक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया
- रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने भारत की सटीक मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए पिनाका लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट का सफलतापूर्वक परीक्षण किया
- भारत और मालदीव ने द्विपक्षीय निवेश संधि और मुक्त व्यापार समझौते को आगे बढ़ाकर आर्थिक संबंधों को मजबूत किया
- वाराणसी हवाई अड्डा निर्बाध परिवहन कनेक्टिविटी के लिए भारत का पहला छह लेन वाला रनवे अंडरपास बनाने के लिए तैयार है
- 17 वर्षीय अश्वथ एस पुणे इंटरनेशनल टूर्नामेंट में भारत के 98वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बने
- आईएमएफ ने भारत को मजबूत विकास परिदृश्य के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहने का अनुमान लगाया
- उत्तर प्रदेश ने शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू की
- अहमदाबाद के रणशदलालजी गोस्वामी को हवेली संगीत को बढ़ावा देने के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार मिला
- नर्मदा बेसिन के चार राज्यों ने सरदार सरोवर परियोजना के वित्तीय विवादों को हल करने के लिए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए
- कामराजार बंदरगाह 18 मीटर परिचालन ड्राफ्ट क्षमता के साथ भारत का दूसरा प्रमुख बंदरगाह बन गया

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

इसरो ने गगनयान मिशन के लिए एकीकृत मुख्य पैराशूट एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएमएटी) सफलतापूर्वक आयोजित किया

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मध्य प्रदेश के श्योपुर में हवाई वितरण अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एडीआरडीई) ड्रॉप जोन में गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के लिए एकीकृत मुख्य पैराशूट एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएमएटी) सफलतापूर्वक आयोजित किया।

इंटीग्रेटेड मेन पैराशूट एयर ड्रॉप टेस्ट (IMAT) क्या है?

- इंटीग्रेटेड मेन पैराशूट एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएमएटी) एक महत्वपूर्ण योग्यता परीक्षण है जो वास्तविक उड़ान स्थितियों के तहत गगनयान क्रू मॉड्यूल के मुख्य पैराशूट सिस्टम को मान्य करने के लिए आयोजित किया जाता है। परीक्षण के दौरान, भारतीय वायु सेना के आईएल-76 विमान से 2.5 किमी की ऊंचाई पर एक नकली पेलोड गिराया गया था, और सुरक्षित मंदी और लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए पूर्ण पैराशूट तैनाती अनुक्रम का मूल्यांकन किया गया था।

उद्देश्य

- गगनयान G1 मिशन के लिए मुख्य पैराशूट को क्वालीफाई करें।
- अधिकतम लोड स्थितियों के तहत संरचनात्मक अखंडता को मान्य करें।
- पुन: प्रवेश के दौरान क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित मंदी सुनिश्चित करें।
- विश्वसनीय पुनर्प्राप्ति प्रणालियों के माध्यम से अंतरिक्ष यात्री सुरक्षा बढ़ाएँ।
- पहले मानव रहित और चालक दल के मिशनों से पहले मिशन के जोखिम को कम करें।

गगनयान पैराशूट रिकवरी सिस्टम:

- क्रू मॉड्यूल पैराशूट मंदी प्रणाली (पीडीएस) में चार अलग-अलग प्रकार के 10 पैराशूट होते हैं जो एक सुरक्षित स्प्लैशडाउन सुनिश्चित करने के लिए क्रमिक रूप से तैनात होते हैं।

अवयव

- एपेक्स कवर सेपरेशन (एसीएस) पैराशूट - क्रू मॉड्यूल के शीर्ष कवर को अलग करें।
- ड्रोग पैराशूट - उच्च गति वंश के दौरान क्रू मॉड्यूल को स्थिर और धीमा करें।
- पायलट पैराशूट - मुख्य पैराशूट तैनात करें।
- मुख्य पैराशूट - समुद्र में सुरक्षित छींटे को सक्षम करने के लिए क्रू मॉड्यूल की गति को कम करें।

गगनयान मिशन के बारे में:

- गगनयान मिशन भारत का पहला स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों (गगनयात्रियों) को लो अर्थ ऑर्बिट (LEO) में भेजना और उन्हें सुरक्षित वापस लाना है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- द्वारा कार्यान्वित: इसरो।
- प्रशासनिक विभाग: अंतरिक्ष विभाग।
- स्वीकृत: केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 2018।
- प्रक्षेपण यान: मानव-रेटेड LVM3।
- मिशन का उद्देश्य: लगभग तीन दिनों तक मनुष्यों को अंतरिक्ष में भेजने और सुरक्षित रिकवरी सुनिश्चित करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना।
- मिशन अनुक्रम: मानव रहित परीक्षण मिशन (G1, G2) के बाद पहला चालक दल मिशन।

संबंधित गगनयान परीक्षण:

• TV-D1: टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन ने क्रू एस्केप सिस्टम (2023) का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया।
• IADT-02: संपूर्ण पैराशूट रिकवरी सिस्टम को मान्य करने के लिए अप्रैल 2026 में दूसरा एकीकृत एयर ड्रॉप परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा हुआ।
• SOLVE (प्रयोगों के लिए सब-ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल): विभिन्न उड़ान स्थितियों के तहत कई पैराशूट और रिकवरी प्रयोगों का संचालन करने के लिए विकसित किया गया है।

ADRDE के बारे में:

- एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (एडीआरडीई) रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की एक प्रयोगशाला है।
- स्थान: आगरा, उत्तर प्रदेश।
- मूल संगठन: DRDO।

भूमिका:

- पैराशूट सिस्टम का डिजाइन और विकास।
- हवाई वितरण प्लेटफार्म।
- रक्षा और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए रिकवरी सिस्टम।
- एयरोस्टेट और एयरबोर्न सिस्टम।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

इसरो के बारे में:

• स्थापित: 1969।
• मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक।
• प्रशासनिक विभाग: अंतरिक्ष विभाग।
• अध्यक्ष: डॉ. वी. नारायणन।
• संस्थापक: डॉ. विक्रम साराभाई।

प्रमुख मिशन:

• चंद्रयान कार्यक्रम।
• आदित्य-एल1.
• स्पैडेक्स।
• गगनयान।
• निसार (भारत-नासा पृथ्वी अवलोकन मिशन)।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• संगठन: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)।
• मिशन: गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम।
• टेस्ट: इंटीग्रेटेड मेन पैराशूट एयर ड्रॉप टेस्ट (IMAT)।
• परीक्षा स्थान: श्योपुर, मध्य प्रदेश।
• वाहक विमान: भारतीय वायु सेना IL-76।
• उद्देश्य: क्रू मॉड्यूल के मुख्य पैराशूट की योग्यता।
• पैराशूट सिस्टम: चार अलग-अलग प्रकार के 10 पैराशूट।
• प्रशासनिक विभाग: अंतरिक्ष विभाग।
• संबंधित संगठन: एडीआरडीई (डीआरडीओ)।

डीआरडीओ ने पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर, ओडिशा में पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (LRGR) का सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया। रॉकेट का परीक्षण 60 किमी की उपयोगकर्ता-परिभाषित न्यूनतम परिचालन सीमा पर किया गया था, जो उच्च सटीकता के साथ सभी मिशन उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करता है। सफल परीक्षण हथियार प्रणाली की सटीकता, विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता को मान्य करता है, जो आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत के स्वदेशी लंबी दूरी के तोपखाने कार्यक्रम में एक और प्रमुख मील का पत्थर है।

पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (LRGR) क्या है?

- पिनाका एलआरजीआर एक स्वदेशी रूप से विकसित सटीक-निर्देशित आर्टिलरी रॉकेट रॉकेट है जिसे पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (एमबीआरएल) सिस्टम के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पिनाका रॉकेट का उन्नत संस्करण है जिसमें उन्नत रेंज, नेविगेशन और स्ट्राइक सटीकता है, जो विस्तारित दूरी पर उच्च-मूल्य वाले लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है।

उद्देश्य:

• भारतीय सेना की लंबी दूरी की सटीक प्रहार क्षमता को बढ़ाना।
• आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी आर्टिलरी सिस्टम को मजबूत करना।
• आयातित रॉकेट तोपखाने पर निर्भरता कम करें।
• सटीक, निर्देशित रॉकेटों के साथ युद्ध के मैदान की मारक क्षमता में सुधार करें।
• दुश्मन के ठिकानों पर तेजी से और प्रभावी ढंग से हमला करने का समर्थन करें।

पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL) के बारे में:

- पिनाका एमबीआरएल भारतीय सेना के लिए विकसित एक स्वदेशी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- द्वारा विकसित: डीआरडीओ।

उत्पादन एजेंसियां:

• टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल)
• लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी)
• इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड
• मुनिशन इंडिया लिमिटेड
• प्रकार: मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (MBRL)।
• लांचर क्षमता: 12 रॉकेट।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

• साल्वो क्षमता: 44 सेकंड के भीतर सभी 12 रॉकेट फायर कर सकता है।
• गतिशीलता: तेजी से तैनाती के लिए उपयुक्त उच्च गतिशीलता वाले पहिएदार प्लेटफॉर्म।
• भूमिका: क्षेत्र संतृप्ति, सटीक हमले, काउंटर-बैटरी आग और दुश्मन के बुनियादी ढांचे का विनाश।

पिनाका का विकास:

- विकास शुरू हुआ: 1980 के दशक के अंत में।
- आयातित BM-21 ग्रैड रॉकेट लॉन्चर सिस्टम को बदलने के लिए विकसित किया गया।
- भगवान शिव के दिव्य धनुष "पिनाका" के नाम पर रखा गया है।
- भारतीय सेना में सफलतापूर्वक शामिल किया गया और संवेदनशील सीमाओं पर तैनात किया गया।

DRDO के बारे में:

• स्थापित: 1958.
• मुख्यालय: नई दिल्ली।
• प्रशासनिक मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय।
• अध्यक्ष: डॉ. समीर वी. कामत।
• भूमिका: भारत का प्रमुख रक्षा अनुसंधान संगठन जो स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए जिम्मेदार है।

एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) के बारे में:

• स्थान: चांदीपुर, ओडिशा।
• द्वारा संचालित: डीआरडीओ।
• उद्देश्य: मिसाइलों, रॉकेटों और सामरिक रक्षा प्रणालियों का परीक्षण।

परीक्षण की गई प्रमुख प्रणालियों में शामिल हैं:

• अग्नि श्रृंखला
• पृथ्वी श्रृंखला
• आकाश
• ब्रह्मोस
• पिनाका
• प्रलय

परीक्षा फोकस बिंदु:

• हथियार प्रणाली: पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर)।
• द्वारा विकसित: डीआरडीओ।
• टेस्ट स्थान: इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (आईटीआर), चांदीपुर, ओडिशा।
• टेस्ट तिथि: 8 जुलाई 2026।
• रेंज का परीक्षण किया गया: 60 किमी।
• भविष्य की अधिकतम सीमा: 120 किमी तक।
• लॉन्च प्लेटफॉर्म: पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर (एमबीआरएल)।
• प्रशासनिक मंत्रालय: रक्षा मंत्रालय।
• डीआरडीओ मुख्यालय: नई दिल्ली।
• महत्व: स्वदेशी सटीक-निर्देशित रॉकेट प्रणाली भारत की लंबी दूरी की तोपखाने क्षमता को बढ़ाती है।

भारत और मालदीव ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की

- भारत और मालदीव ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर करने और प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।
- नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद के बीच बैठक के दौरान यह प्रतिबद्धता दोहराई गई।
- दोनों पक्ष 2026 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 60 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए व्यापार, पर्यटन, स्टार्टअप, डिजिटल भुगतान, एमएसएमई और निवेश में सहयोग को गहरा करने पर सहमत हुए।

द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) क्या है?

- द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) दो देशों के बीच एक समझौता है जो एक देश के निवेशकों द्वारा दूसरे में किए गए निवेश के लिए कानूनी सुरक्षा और संवर्धन प्रदान करता है।

उद्देश्य:

- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को बढ़ावा देना।
- निवेशकों को मनमाने सरकारी कार्रवाई से बचाएं।
- निवेश का उचित और न्यायसंगत व्यवहार सुनिश्चित करें।
- विवाद समाधान तंत्र प्रदान करें।
- निवेशकों का विश्वास और आर्थिक सहयोग बढ़ाएं।

मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) क्या है?

- एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दो या दो से अधिक देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने या समाप्त करने के लिए एक समझौता है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलता है।

प्रमुख विशेषताएं:

- सीमा शुल्क में कमी या उन्मूलन।
- आसान बाजार पहुंच।
- वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना।
- निवेश प्रवाह की सुविधा।
- आर्थिक एकीकरण को मजबूत करना।

भारत-मालदीव संबंध:

- भारत और मालदीव के बीच नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी, विजन महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में सहयोग के सिद्धांतों के आधार पर घनिष्ठ संबंध हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य

• राजनयिक संबंधों की स्थापना: 1966।
• भारत मालदीव की आजादी के बाद उसे मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था।
• भारतीय उच्चायोग: माले।
• मालदीव का उच्चायोग: नई दिल्ली।
• साझा समुद्री सीमा: हिंद महासागर।
• सहयोग के प्रमुख क्षेत्र
• व्यापार और निवेश।
• रक्षा और समुद्री सुरक्षा।

पर्यटन-व्यवसाय।

• डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (UPI एकीकरण सहित)।
• स्वास्थ्य देखभाल।
• क्षमता निर्माण।
• आपदा प्रबंधन।
• नवीकरणीय ऊर्जा।
• मत्स्य पालन।
• नीली अर्थव्यवस्था।

हाल ही में भारत-मालदीव सहयोग:

- ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट (GMCP): मालदीव में भारत की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना, जिसे ऋण और अनुदान सहायता के माध्यम से वित्त पोषित किया गया है।
- यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI): भारत मालदीव में UPI-आधारित डिजिटल भुगतान प्रणाली को अपनाने का समर्थन कर रहा है।
- ऑपरेशन कैक्टस (1988): भारत ने मालदीव में तख्तापलट के प्रयास को विफल करने के लिए सफलतापूर्वक हस्तक्षेप किया, एक क्षेत्रीय सुरक्षा प्रदाता के रूप में अपनी भूमिका का प्रदर्शन किया।
- भारत मालदीव के सबसे बड़े विकास और बुनियादी ढांचे के भागीदारों में से एक बना हुआ है।

मालदीव के बारे में:

• आधिकारिक नाम: मालदीव गणराज्य।
• राजधानी: माले।
• मुद्रा: मालदीव रूफिया (एमवीआर)।
• राष्ट्रपति: मोहम्मद मुइज़्ज़ू।
• स्थान: हिंद महासागर।

प्रमुख क्षेत्रीय समूह:

• सार्क।
• राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल।
• हिंद महासागर रिम सहयोग पहल।
• संयुक्त राष्ट्र।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

परीक्षा फोकस बिंदु:

- देश: भारत और मालदीव।
- प्रमुख समझौते: द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)।
- भारतीय मंत्री: पीयूष गोयल।
- मालदीव के मंत्री: मोहम्मद सईद।
- राजनयिक संबंधों का वर्ष: 1966।
- संबंधों के 60 वर्ष: 2026।
- प्रमुख क्षेत्र: व्यापार, निवेश, पर्यटन, स्टार्टअप, डिजिटल भुगतान, एमएसएमई।
- भारत की नीति: पड़ोसी पहले नीति।
- क्षेत्रीय दृष्टि: महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति)।
- फ्लैगशिप कनेक्टिविटी परियोजना: ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट (GMCP)।

वाराणसी हवाई अड्डे को मिलेगा देश का पहला छह लेन का अंडरवे अंडरपास

- लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, वाराणसी, एक सक्रिय हवाई अड्डे के रनवे के नीचे भारत का पहला छह-लेन अंडरपास बनने के लिए तैयार है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजारापु राम मोहन नायडू ने घोषणा की कि हवाई अड्डे की विस्तार परियोजना के हिस्से के रूप में 450 मीटर लंबी इंजीनियरिंग संरचना का निर्माण चल रहा है। अंडरपास राष्ट्रीय राजमार्ग-31 (पुराने एनएच-56) को विस्तारित रनवे के नीचे से गुजरने की अनुमति देगा, जिससे निर्बाध सड़क यातायात संभव हो सकेगा जबकि विमान ऊपर से परिचालन जारी रखेगा। यह अनूठी बुनियादी ढांचा परियोजना रनवे के विस्तार की सुविधा प्रदान करेगी और हवाई अड्डे की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी।

सिक्स-लेन रनवे अंडरपास क्या है?

- इस परियोजना में लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तारित रनवे के नीचे 450 मीटर लंबा, छह लेन का अंडरपास बनाना शामिल है। यह भारत की पहली परियोजना है जहां एक राष्ट्रीय राजमार्ग एक सक्रिय हवाई अड्डे के रनवे के नीचे से सीधे गुजरेगा, जिससे हवाई और सड़क यातायात दोनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित होगी।

हवाई अड्डा विस्तार परियोजना:

- यह अंडरपास लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के व्यापक विस्तार का हिस्सा है।

प्रमुख घटक

- रनवे विस्तार: 2,745 मीटर से लगभग 4,075 मीटर तक।
- नया एकीकृत टमनल भवन।
- एप्रन का विस्तार: विमान पार्किंग बे में वृद्धि।
- बेहतर कार्गो हैंडलिंग सुविधाएं।
- भविष्य में यातायात में वृद्धि को पूरा करने के लिए यात्री क्षमता में वृद्धि।

लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बारे में:

- लोकेशन: बाबतपुर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
- आईएटीए कोड: वीएनएस।
- आईसीएओ कोड: वीईबीएन।
- ऑपरेटर: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई)।
- स्थिति: अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा।
- सेवा करता है: वाराणसी और पूर्वी उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों के आसपास के क्षेत्र।
- यात्री यातायात के मामले में उत्तर भारत में सबसे तेजी से बढ़ते हवाई अड्डों में से एक।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के बारे में:

- स्थापित: 1995।
- मुख्यालय: नई दिल्ली।
- प्रशासनिक मंत्रालय: नागरिक उड्डयन मंत्रालय।
- अध्यक्ष: विपिन कुमार।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के बारे में:

- स्थापित: 1988।

•	प्रशासनिक मंत्रालय: सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय।
•	मुख्यालय: नई दिल्ली।
•	अध्यक्ष: संतोष कुमार यादव

भूमिका:

- राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, रखरखाव और प्रबंधन।
- भारतमाला परियोजना जैसे कार्यक्रमों के तहत राजमार्ग परियोजनाओं का कार्यान्वयन।

परीक्षा फोकस बिंदु:

•	परियोजना: भारत का पहला छह-लेन रनवे अंडरपास।
•	स्थान: लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, वाराणसी।
•	राज्य: उत्तर प्रदेश।
•	अंडरपास की लंबाई: 450 मीटर।
•	राजमार्ग: राष्ट्रीय राजमार्ग -31 (पुराना एनएच -56)।
•	हवाई अड्डा संचालक: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई)।
•	राजमार्ग प्राधिकरण: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)।
•	प्रशासनिक मंत्रालय (एएआई): नागर विमानन मंत्रालय।
•	उद्देश्य: निर्बाध राजमार्ग यातायात के साथ रनवे का विस्तार।
•	राष्ट्रीय महत्व: भारत में पहला सक्रिय हवाई अड्डा रनवे अंडरपास।

अश्वथ एस बने भारत के 98वें शतरंज ग्रैंडमास्टर

- तमिलनाडु के कन्याकुमारी के 17 वर्षीय अश्वथ एस, पुणे इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर राउंड रॉबिन टूर्नामेंट 2026 में अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर मानदंड हासिल करने के बाद भारत के 98वें शतरंज ग्रैंडमास्टर (GM) बन गए। इस उपलब्धि के साथ, भारत दुनिया के अग्रणी शतरंज देशों में से एक के रूप में अपने उभरने की पुष्टि करते हुए 100 ग्रैंडमास्टर तैयार करने के ऐतिहासिक मील के पत्थर के करीब पहुंच गया है।

ग्रैंडमास्टर (जीएम) शीर्षक क्या है?

- ग्रैंडमास्टर (GM) का खिताब अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च खिताब है।

वांछनीयता:

- 2500 (किसी भी समय) की न्यूनतम FIDE Elo रेटिंग प्राप्त करें।
- मजबूत विपक्ष के खिलाफ FIDE-अनुमोदित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में तीन ग्रैंडमास्टर मानदंडों को सुरक्षित करें।
- एक बार सम्मानित होने के बाद, उपाधि जीवन भर के लिए आयोजित की जाती है।

ग्रैंडमास्टर नॉर्म क्या है?

- ग्रैंडमास्टर मानदंड एक प्रदर्शन बेंचमार्क है जो तब दिया जाता है जब कोई खिलाड़ी एफआईडीई के निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रेटेड टूर्नामेंट में ग्रैंडमास्टर स्तर का प्रदर्शन प्राप्त करता है।

FIDE के बारे में:

•	पूरा नाम: अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (Fédération Internationale des Échecs)
•	स्थापित:1924
•	मुख्यालय: लुसाने, स्विट्जरलैंड
•	राष्ट्रपति: अर्कडी ड्वोरकोविच
•	आदर्श वाक्य: जेन्स ऊना सुमुस ("हम एक परिवार हैं")
•	भूमिका: शतरंज के लिए वैश्विक शासी निकाय, खिलाड़ियों की रेटिंग, खिताब, नियम और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए जिम्मेदार।

शतरंज में भारत का उदय:

- भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते शतरंज देशों में से एक है।
- विश्वनाथन आनंद 1988 में भारत के पहले ग्रैंडमास्टर बने, जिन्होंने भारतीय शतरंज के लिए एक नए युग की शुरुआत की।

भारत ने कई विशिष्ट खिलाड़ियों को जन्म दिया है, जिनमें शामिल हैं:

•	डी. गुकेश - विश्व शतरंज चैंपियन।
•	आर. प्रज्ञानानंद

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

• अर्जुन एरिगिस।
• विदित गुजराती।
• पेंटाला हरिकृष्णा।
• अस्वस्थ एस के 98वें ग्रैंडमास्टर बनने के बाद भारत को अब 100 ग्रैंडमास्टरों के आंकड़े तक पहुंचने के लिए केवल दो और ग्रैंडमास्टरों की जरूरत है।

अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) के बारे में:

• स्थापित:1951
• मुख्यालय: चेन्नई, तमिलनाडु
• अध्यक्ष: नितिन नारंग[
• से संबद्ध: FIDE

परीक्षा फोकस बिंदु:

• खिलाड़ी: अश्वथ एस
• राज्य: तमिलनाडु (कन्याकुमारी)
• उपलब्धि: भारत के 98वें शतरंज ग्रैंडमास्टर
• टूर्नामेंट: पुणे इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर राउंड रॉबिन 2026
• उच्चतम शतरंज खिताब: ग्रैंडमास्टर (जीएम)
• पुरस्कार देने वाली संस्था: FIDE (अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ)
• FIDE मुख्यालय: लुसाने, स्विट्ज़रलैंड
• FIDE अध्यक्ष: अर्कडी ड्वोरकोविच
• भारत के पहले ग्रैंडमास्टर: विश्वनाथन आनंद (1988)
• राष्ट्रीय शतरंज महासंघ: अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ)

आईएमएफ ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहने का अनुमान लगाया

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने अपने जुलाई 2026 के विश्व आर्थिक आउटलुक (WEO) अपडेट में अनुमान लगाया है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।
- आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4% रहने का अनुमान लगाया है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28 के लिए विकास अनुमान को संशोधित कर 6.7% कर दिया है। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि मजबूत घरेलू मांग, मजबूत निजी खपत और सेवा क्षेत्र भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार व्यवधानों के बीच भी भारत के आर्थिक विकास को आगे बढ़ा रहे हैं।

वैश्विक आर्थिक आउटलुक

आईएमएफ के अनुसार:

- वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि (2026): 3.0%।
- वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि (2027): 3.4%।

वैश्विक विकास के लिए प्रमुख जोखिमों में शामिल हैं:

• भू-राजनीतिक संघर्ष।
• व्यापार विखंडन।
• ऊर्जा की कीमत में उतार-चढ़ाव।
• मुद्रास्फीति का दबाव।
• वित्तीय बाजार की अनिश्चितता।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के बारे में:

- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है जिसकी स्थापना वैश्विक मौद्रिक सहयोग और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए की गई है।
- स्थापना: 27 दिसंबर 1945।
- मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., संयुक्त राज्य अमेरिका।
- प्रबंध निदेशक: क्रिस्टालिना जॉर्जीवा।
- कुल सदस्य देश: 191.
- माता-पिता का समझौता: ब्रेटन वुड्स समझौता (1944)।

IMF के प्रमुख प्रकाशन:

• विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ) - वर्ष में दो बार प्रकाशित (अप्रैल और जुलाई/अक्टूबर अपडेट)।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

•	वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (जीएफएसआर)।
•	राजकोषीय निगरानी।
•	क्षेत्रीय आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट।
•	अनुच्छेद IV परामर्श रिपोर्ट।

भारत और IMF:

- भारत 27 दिसंबर 1945 को आईएमएफ का संस्थापक सदस्य बना।
- भारत आईएमएफ की सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था के सदस्यों में से एक है।
- 2000 के दशक के बाद से, भारत ने आईएमएफ से उधार नहीं लिया है और इसके बजाय आईएमएफ संसाधनों और वैश्विक वित्तीय शासन में योगदान दिया है।

IMF द्वारा भारत की आर्थिक ताकतों पर प्रकाश डाला गया:

- मजबूत घरेलू खपत।
- सेवा क्षेत्र का तेजी से विस्तार।
- बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना।
- स्थिर व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांत।
- बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और विनिर्माण क्षेत्र।
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि।
- दीर्घकालिक विकास का समर्थन करने वाले चल रहे संरचनात्मक सुधार।

परीक्षा फोकस बिंदु:

•	संगठन: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)।
•	रिपोर्ट: जुलाई 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (WEO) अपडेट।
•	भारत का सकल घरेलू उत्पाद विकास पूर्वानुमान (वित्त वर्ष 2026-27): 6.4%।
•	भारत का सकल घरेलू उत्पाद विकास पूर्वानुमान (वित्त वर्ष 2027-28): 6.7%।
•	भारत की स्थिति: दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था।
•	वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद विकास पूर्वानुमान (2026): 3.0%।
•	आईएमएफ मुख्यालय: वाशिंगटन, डी.सी., यूएसए।
•	प्रबंध निदेशक: क्रिस्टालिना जॉर्जीवा।
•	भारत आईएमएफ में शामिल हुआ: 27 दिसंबर 1945।
•	आईएमएफ के प्रमुख प्रकाशन: विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूईओ), वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (जीएफएसआर), राजकोषीय मॉनिटर।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

उत्तर प्रदेश ने शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू की

- उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और उनके पात्र परिवार के सदस्यों को प्रति वर्ष ₹5 लाख तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू की।
- यह योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी में शुरू की गई थी और इससे राज्य भर में बुनियादी और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े लगभग 15 लाख कर्मियों को लाभ होगा।
- नियमित शिक्षकों के अलावा, इस योजना में शिक्षा मित्र, अनुदेशक, रसोइया (मध्याह्न भोजन कार्यकर्ता) और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) के पात्र कर्मचारी भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना क्या है?

- मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना एक राज्य वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा पहल है जो पात्र शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को सूचीबद्ध अस्पतालों में सालाना ₹5 लाख तक का कैशलेस उपचार प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। इस योजना का उद्देश्य चिकित्सा खर्चों के खिलाफ वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना और शिक्षा क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार करना है।

अतिरिक्त कल्याणकारी पहल:

- स्वास्थ्य योजना के शुभारंभ के साथ, बेसिक शिक्षा विभाग ने स्थायी शिक्षकों के लिए ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।

बीमा लाभ:

•	जीवन बीमा कवर: ₹10 लाख।
•	शिक्षकों के लिए सामाजिक और वित्तीय सुरक्षा को मजबूत करता है।
•	राज्य में लगभग 4.5 लाख स्थायी शिक्षक शामिल हैं।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) के बारे में:

• लॉन्च किया गया: 2004।
• मंत्रालय: शिक्षा मंत्रालय।
• के तहत कार्यान्वित: समग्र शिक्षा।
• उद्देश्य: वंचित समुदायों की लड़कियों के लिए आवासीय स्कूली शिक्षा प्रदान करना, विशेष रूप से शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में।

लक्ष्य समूह:

• अनुसूचित जाति (एससी)।
• अनुसूचित जनजाति (एसटी)।
• अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)।
• अल्पसंख्यक समुदाय।
• गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवार।

समग्र शिक्षा के बारे में:

• शुरू किया गया: 2018।
• मंत्रालय: शिक्षा मंत्रालय।
• प्रकार: केंद्र प्रायोजित योजना।
• कवरेज: प्री-प्राइमरी से बारहवीं कक्षा तक की स्कूली शिक्षा।

उद्देश्य:

- स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना।
- समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा को बढ़ावा देना।
- डिजिटल शिक्षण और शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करें।
- स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार करें।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• योजना: शिक्षकों के लिए मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना।
• राज्य: उत्तर प्रदेश।
• द्वारा लॉन्च किया गया: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।
• स्वास्थ्य कवरेज: ₹5 लाख प्रति परिवार प्रति वर्ष।
• लाभार्थी: लगभग 15 लाख शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी।
• अतिरिक्त लाभार्थी: शिक्षा मित्र, प्रशिक्षक, रसोइया और केजीबीवी कर्मचारी।
• बीमा भागीदार: भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)।
• अतिरिक्त लाभ: स्थायी शिक्षकों के लिए ₹10 लाख ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस।
• संबंधित योजना: समग्र शिक्षा।
• संबंधित संस्थान: कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी)।

अहमदाबाद के विद्वान रणचदलजी गोस्वामी को हवेली संगीत के संरक्षण के लिए उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार मिला

- कालूपुर, अहमदाबाद में ऐतिहासिक गोस्वामी हवेली के 16वें आचार्य आचार्य श्री रणछोड़लालजी गोस्वामी को संस्कृति मंत्रालय के तहत संगीत नाटक अकादमी द्वारा उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार (2024-25) के लिए चुना गया है, जो पुष्टिमार्ग संप्रदाय से जुड़ी सदियों पुरानी भक्ति संगीत परंपरा हवेली संगीत के संरक्षण और प्रचार में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए है। यह सम्मान भारत की महत्वपूर्ण अमूर्त सांस्कृतिक परंपराओं में से एक को पुनर्जीवित करने और लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों को मान्यता देता है।

हवेली संगीत क्या है?

- हवेली संगीत हिंदुस्तानी भक्ति शास्त्रीय संगीत का एक पारंपरिक रूप है जो पुष्टिमार्ग (वल्लभ संप्रदाय) परंपरा के कृष्ण मंदिरों (हवेलियों) में किया जाता है। इसकी उत्पत्ति ब्रज क्षेत्र (मथुरा-गोवर्धन) में हुई और बाद में राजस्थान और गुजरात में, विशेष रूप से श्रीनाथजी मंदिर, नाथद्वारा और वैष्णव हवेलियों में फला-फूला।

रणसोडलालजी गोस्वामी के बारे में:

• अवार्डी: आचार्य श्री रणछोड़लालजी गोस्वामी
• पद: 16 वीं आचार्य, गोस्वामी हवेली, कालूपुर, अहमदाबाद।
• राज्य: गुजरात।
• अवार्ड: उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार (2024–25)।
• इसके लिए मान्यता प्राप्त: हवेली संगीत का संरक्षण और संवर्धन।

• पुष्टिमार्ग संगीत विरासत की पारंपरिक रचनाओं के दस्तावेजीकरण, शिक्षण और पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका।

अबाउट थे उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार:

- उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार भारत की प्रदर्शन कलाओं के युवा चिकित्सकों को प्रोत्साहित करने के लिए संगीत नाटक अकादमी द्वारा स्थापित एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार है।

महत्वपूर्ण तथ्य

• स्थापित: 2006।
• पुरस्कार देने वाला निकाय: संगीत नाटक अकादमी।
• प्रशासनिक मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय।
• पात्रता: 40 वर्ष से कम आयु के उत्कृष्ट कलाकार।

कवर किए गए फ़ील्ड:

• राग
• उछल-कूद करना
• थिएटर
• पारंपरिक और लोक कलाएं
• कठपुतली

पुरस्कार घटक:

- ₹25,000 नकद पुरस्कार
- ताम्रपत्र (प्रशस्ति पत्र पट्टिका)
- अंगवस्त्रम (औपचारिक शॉल)।

संगीत नाटक अकादमी के बारे में:

• स्थापित: 1953.
• मुख्यालय: नई दिल्ली।
• प्रशासनिक मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय।
• प्रकृति: संगीत, नृत्य और नाटक के लिए भारत की राष्ट्रीय अकादमी।

पुष्टिमार्ग के बारे में:

• संस्थापक: वल्लभाचार्य (1479-1531)।
• दर्शन: शुद्धाद्वैत (शुद्ध अद्वैतवाद)।
• प्रमुख देवता: भगवान कृष्ण (विशेष रूप से श्रीनाथजी)।
• प्रमुख केंद्र: नाथद्वारा, राजस्थान।
• यह परंपरा पूजा के रूप में संगीत, भक्ति गायन और मंदिर अनुष्ठानों पर बहुत जोर देती है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• अवार्ड: उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार (2024–25)।
• अवार्डी: आचार्य श्री रणछोड़लालजी गोस्वामी
• के लिए मान्यता प्राप्त: हवेली संगीत।
• राज्य: गुजरात।
• पुरस्कार देने वाला निकाय: संगीत नाटक अकादमी।
• प्रशासनिक मंत्रालय: संस्कृति मंत्रालय।
• पुरस्कार स्थापित: 2006।
• पात्रता: 40 वर्ष से कम आयु के कलाकार।
• संगीत परंपरा: हवेली संगीत (पुष्टिमार्ग भक्ति संगीत)।
• एसोसिएटेड क्लासिकल स्टाइल: ध्रुपद।

नर्मदा बेसिन के चार राज्यों ने बकाया राशि के समाधान के लिए ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

- नर्मदा नदी परियोजना के चार लाभार्थी राज्यों- मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान ने सरदार सरोवर परियोजना (एसएसपी) से संबंधित दशकों पुराने बकाया वित्तीय बकाये को हल करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे भूमि मुआवजे, विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और भाग लेने वाले राज्यों के बीच लागत-बंटवारे से संबंधित लंबे समय से लंबित विवादों को समाप्त किया गया। इस समझौते से सहकारी संघवाद को मजबूत करने और अंतर-राज्यीय नदी परियोजनाओं के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की उम्मीद है।

सरदार सरोवर परियोजना (SSP) के बारे में:

- सरदार सरोवर परियोजना नर्मदा नदी पर निर्मित भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं में से एक है।

उद्देश्य:

- सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सिंचाई उपलब्ध कराएं।
- गांवों और शहरी क्षेत्रों में पीने के पानी की आपूर्ति करना।
- पनबिजली उत्पन्न करें।
- बाढ़ को नियंत्रित करें।
- क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना।

नर्मदा नदी के बारे में:

• लंबाई: लगभग 1,312 किमी।
• स्रोत: अमरकंटक पठार, मध्य प्रदेश।
• मुहाना: भरूच के पास अरब सागर, गुजरात।
• के माध्यम से बहता है:
• मध्य प्रदेश
• महाराष्ट्र (सीमा के हिस्से के साथ)
• गुजरात।

प्रमुख सहायक नदियाँ:

• तवा
• हिरन
• बंजार
• शक्कर
• दुधी।

- प्रायद्वीपीय भारत की सबसे बड़ी पश्चिम की ओर बहने वाली नदी के रूप में जाना जाता है।

नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण (NWDT) के बारे में:

• गठित: 1969।
• के तहत गठित: अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956।
• पुरस्कार दिया गया: 1979।
• उद्देश्य: गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के बीच नर्मदा जल के बंटवारे पर विवादों का निपटारा करना।

न्यायाधिकरण ने निर्धारित:

- जल-साझाकरण सूत्र।
- बांध की ऊंचाई।
- पुनर्वास और पुनर्स्थापन मानदंड।
- लागत-साझाकरण व्यवस्था।

अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956 के बारे में:

- संविधान के अनुच्छेद 262 के तहत अधिनियमित।
- केंद्र सरकार को अंतर-राज्यीय नदी जल पर विवादों को हल करने के लिए न्यायाधिकरण स्थापित करने में सक्षम बनाता है।
- संसद ऐसे विवादों में अदालतों के अधिकार क्षेत्र पर रोक लगा सकती है।

परीक्षा फोकस बिंदु:

• समझौता: नर्मदा परियोजना से संबंधित बकाया राशि का निपटान।
• शामिल राज्य: मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान।
• नदी: नर्मदा।
• परियोजना: सरदार सरोवर परियोजना (एसएसपी)।
• न्यायाधिकरण: नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण (एनडब्ल्यूडीटी)।
• एनडब्ल्यूडीटी का गठन: 1969।
• एनडब्ल्यूडीटी पुरस्कार: 1979।
• कानूनी आधार: अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद अधिनियम, 1956
• नदी का उद्गम: अमरकंटक पठार, मध्य प्रदेश।
• नदी का मुहाना: अरब सागर, गुजरात।

कामराजार बंदरगाह 18 मीटर ड्राफ्ट क्षमता के साथ भारत का दूसरा प्रमुख बंदरगाह बना

- इन्नोर, चेन्नई (तमिलनाडु) में स्थित कामराजार पोर्ट लिमिटेड (केपीएल), विशाखापत्तनम बंदरगाह के बाद भारत का दूसरा प्रमुख बंदरगाह बन गया है, जिसने अपनी कैपिटल ड्रेजिंग चरण VI परियोजना के सफल समापन के बाद 18 मीटर का परिचालन ड्राफ्ट हासिल किया है। यह वृद्धि बंदरगाह को 1,70,000 डेडवेट टन भार (डीडब्ल्यूटी) तक के कार्गो ले जाने वाले पूरी तरह से लदे कैपेसाइज जहाजों को समायोजित करने में सक्षम बनाती है, जिससे

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

भारत की समुद्री रसद और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता में काफी वृद्धि होती है।

पोर्ट में ड्राफ्ट क्या है?

- ड्राफ्ट (या ड्राफ्ट) एक जहाज की जलरेखा और नीचे (कील) के बीच की ऊर्ध्वाधर दूरी को संदर्भित करता है। यह किसी जहाज को सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए आवश्यक न्यूनतम पानी की गहराई निर्धारित करता है।
- एक गहरा परिचालन मसौदा बंदरगाहों को बड़े और भारी जहाजों को प्राप्त करने, शिपिंग लागत को कम करने और कार्गो-हैंडलिंग दक्षता में सुधार करने की अनुमति देता है।

कामराजार बंदरगाह के बारे में:

• पूर्व नाम: एन्नोर पोर्ट।
• कमीशन: 2001।
• स्थान: एन्नोर, चेन्नई, तमिलनाडु।
• स्वामित्व: भारत सरकार।
• प्रकार: प्रमुख बंदरगाह।
• विशेष विशिष्टता: भारत का पहला निगमीकृत प्रमुख बंदरगाह, जिसे कंपनी अधिनियम के तहत एक कंपनी के रूप में निगमित किया गया है।
• प्रशासनिक मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।
• मूल रूप से चेन्नई बंदरगाह पर भीड़भाड़ कम करने और थर्मल कोयले के आयात को संभालने के लिए एक उपग्रह बंदरगाह के रूप में विकसित किया गया था।

Capesize वेसल्स क्या हैं?

- दुनिया के सबसे बड़े बल्क कार्गो जहाजों में से एक।
- पनामा नहर और स्वेज नहर (पारंपरिक मार्ग) को पार करने के लिए बहुत बड़ा है, जो अक्सर केप ऑफ गुड होप या केप हॉर्न के आसपास नौकायन करते हैं।

मुख्य रूप से परिवहन:

• लौह अयस्क
• कोयला
• बॉक्साइट
• अनाज
• विशिष्ट क्षमता: लगभग 1,50,000-2,00,000 DWT।

भारत में प्रमुख बंदरगाहों के बारे में:

- प्रशासनिक मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।
- यह प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम, 2021 के तहत शासित है, जिसने प्रमुख बंदरगाह ट्रस्ट अधिनियम, 1963 का स्थान लिया है।
- भारत में केंद्र सरकार के अधीन 13 प्रमुख बंदरगाह हैं।
- प्रमुख बंदरगाह भारत के अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार के एक बड़े हिस्से को संभालते हैं।

प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम, 2021 के बारे में:

• लागू: 2021।
• प्रतिस्थापित: प्रमुख बंदरगाह ट्रस्ट अधिनियम, 1963।
• वस्तुनिष्ठ:
• प्रमुख बंदरगाहों की स्वायत्तता बढ़ाना।
• दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करें।
• बंदरगाहों को टैरिफ तय करने और बुनियादी ढांचे का विकास करने में सक्षम बनाना।
• सार्वजनिक-निजी भागीदारी और आधुनिक बंदरगाह प्रशासन को प्रोत्साहित करना।

मैरीटाइम इंडिया विजन 2030:

- द्वारा लॉन्च किया गया: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।
- उद्देश्य: विश्व स्तरीय बंदरगाह बुनियादी ढांचे का विकास करना और भारत को एक अग्रणी समुद्री राष्ट्र में बदलना।

प्रमुख फोकस क्षेत्र:

• बंदरगाह आधुनिकीकरण।
• मशीनीकरण और डिजिटलीकरण।
• तटीय शिपिंग।
• जहाज निर्माण और जहाज की मरम्मत।
• समुद्री रसद।
• हरित और टिकाऊ बंदरगाह।

परीक्षा फोकस बिंदु:

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

• बंदरगाह: कामराजार पोर्ट लिमिटेड (केपीएल)।	• पूर्व नाम: एन्नोर पोर्ट।
• स्थान: एन्नोर, चेन्नई, तमिलनाडु।	• प्रशासनिक मंत्रालय: पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय।
• उपलब्धि: 18 मीटर के परिचालन ड्राफ्ट के साथ भारत का दूसरा प्रमुख बंदरगाह।	• शासी कानून: प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण अधिनियम, 2021
• 18-मीटर ड्राफ्ट के साथ पहला बंदरगाह: विशाखापत्तनम बंदरगाह।	• संबंधित पहल: मैरीटाइम इंडिया विजन 2030।
• परियोजना: कैपिटल ड्रेजिंग चरण VI।	
• अधिकतम पोत क्षमता: 1,70,000 DWT (कैपसाइज जहाजों)।	

लेट्स रिवाइज

❖ किस इसरो परीक्षण ने अधिकतम अपेक्षित भार स्थितियों के तहत पहले मानव रहित गगनयान (जी 1) मिशन के लिए मुख्य पैराशूट प्रणाली को सफलतापूर्वक योग्य बनाया? एकीकृत मुख्य पैराशूट एयर ड्रॉप टेस्ट (IMAT)।

❖ जुलाई 2026 में एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR), चांदीपुर में DRDO द्वारा किस स्वदेशी सटीक-निर्देशित रॉकेट प्रणाली का सफलतापूर्वक उड़ान-परीक्षण किया गया था? पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर)।

❖ जुलाई 2026 में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और मालदीव के मंत्री मोहम्मद सईद के बीच बैठक के दौरान भारत और मालदीव ने किन दो आर्थिक समझौतों में तेजी लाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की? द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) और प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)।

❖ कौन सा हवाई अड्डा भारत का पहला हवाई अड्डा बनने जा रहा है जहां एक सक्रिय रनवे के नीचे छह लेन का अंडरपास होगा? लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)।

❖ पुणे इंटरनेशनल ग्रैंडमास्टर राउंड रॉबिन टूर्नामेंट 2026 में अंतिम GM मानदंड हासिल करने के बाद भारत के 98वें शतरंज ग्रैंडमास्टर कौन बने? अश्वथ एस.

❖ IMF के जुलाई 2026 वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अपडेट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की अनुमानित GDP वृद्धि दर क्या है? 6.4%।

❖ किस राज्य ने शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए ₹5 लाख तक का कैशलेस स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना शुरू की? उत्तर प्रदेश।

❖ किस पारंपरिक भक्ति संगीत रूप ने आचार्य श्री रणछोड़लालजी गोस्वामी को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार (2024-25) दिलाया? हवेली संगीत।

❖ जुलाई 2026 में नर्मदा (सरदार सरोवर) परियोजना से संबंधित लंबे समय से लंबित बकाया राशि को हल करने के लिए किन चार राज्यों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए? मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान।

❖ विशाखापत्तनम बंदरगाह के बाद 18 मीटर का परिचालन मसौदा हासिल करने वाला कौन सा प्रमुख बंदरगाह भारत का दूसरा बंदरगाह बन गया? कामराजार पोर्ट लिमिटेड (एन्नोर), तमिलनाडु।

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY

The ACHIEVERS IAS ACADEMY PATNA

Daily NEWS CHRONICLE

IMPORTANCE OF CURRENT AFFAIRS IN UPSC EXAMINATIONS

Current Affairs hold a crucial place in the preparation for the UPSC Civil Services Examination. A comprehensive understanding of recent national and international developments helps aspirants strengthen their General Studies foundation and develop a well-rounded perspective on important issues. Topics such as government policies, schemes, economy, international relations, science and technology, environment, defence, social justice, governance, reports, indices, appointments, awards, and major global events are highly relevant for both the Prelims and Mains examinations. Regular study of current affairs not only enhances factual knowledge but also improves analytical ability, critical thinking, answer-writing skills, and decision-making aptitude. Since UPSC questions often connect contemporary developments with static subjects, consistent preparation of current affairs enables aspirants to understand issues in depth and present balanced, informed, and relevant answers. It also plays an important role in Essay writing, Ethics, and the Personality Test, giving candidates a strong edge throughout the examination process.

CONTACT US

+91 8434931877 | achievers_ias_patna | PATLIPUTRA GOLAMBAR

ACHIEVERS IAS ACADEMY (UPSC/BPSC) | achieversiaspatna@gmail.com

Achievers IAS Academy | www.achieversiaspatna.co.in | Achievers IAS Academy, PATNA